

2027 से बदल सकता है नीट का स्वरूप: अब 6 दिन में होगी परीक्षा

कंप्यूटर आधारित होगा एजाम, 1000 से ज्यादा केंद्रों की तैयारी, अलग-अलग चरण में होगी

- पेपर लीक विवाद के बाद एनटीए में बड़े सुधार की तैयारी
 - सरकारी संस्थानों में परीक्षा केंद्र बढ़ाने और पारदर्शिता पर जोर
- एजेंसी। नई दिल्ली**

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के आयोजन में वर्ष 2027 से बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार की तैयारी कर रहे हैं।

प्रस्तावित योजना के अनुसार, वर्ष 2027 से नीट-यूजी को पारंपरिक पेन-पेपर मोड के बजाय कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के रूप में आयोजित किया जा सकता है। परीक्षा एक ही दिन में कराने के बजाय पांच से छह दिनों में अलग-अलग चरणों में कराई जाएगी।

इसके लिए देशभर में 1000 से अधिक परीक्षा केंद्र विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। यह प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब 2026 की नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद के कारण रद्द करनी पड़ी थी और बाद में दोबारा परीक्षा आयोजित करनी पड़ी।



नई परीक्षा प्रणाली लागू होगी

जानकारी के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए के ढांचे में भी व्यापक सुधार की प्रक्रिया शुरू की है। परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी ढांचे और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए कई स्तरों पर बदलाव प्रस्तावित हैं। इन सुधारों का उद्देश्य केवल नीट ही नहीं, बल्कि भविष्य में अन्य राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता को भी मजबूत करना है। हालांकि, यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन प्रस्तावों को लागू करने से पहले आवश्यक तकनीकी तैयारी, पर्याप्त कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता और विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे। अंतिम निर्णय और अधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद ही नई परीक्षा प्रणाली लागू होगी।

इसी घटनाक्रम के बाद परीक्षा प्रणाली और एनटीए की कार्यप्रणाली को व्यापक समीक्षा शुरू की गई है। सुर्जों के अनुसार, नई व्यवस्था में परीक्षा लगभग 500 शहरों के करीब 1000 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा सकती है। इनमें प्राथमिकता सरकारी संस्थानों, विशेषकर केंद्रीय विद्यालयों और अन्य सरकारी

प्रश्नपत्रों की सुरक्षा बेहतर होगी

सरकार का मानना है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा से प्रश्नपत्रों की सुरक्षा बेहतर होगी और पेपर लीक जैसी घटनाओं की संभावना कम की जा सकेगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों की रियल-टाइम निगरानी, डिजिटल सुरक्षा और परीक्षा संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। हालांकि, प्रत्येक परीक्षा सत्र की कठिनाई का स्तर समान रखने और सभी अभ्यर्थियों के लिए निष्पक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इसके लिए उपयुक्त मानकीकरण और तकनीकी व्यवस्था विकसित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों को दी जाएगी। अनुमान है कि प्रतिदिन करीब पांच लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जिससे पांच से छह दिनों में सभी उम्मीदवारों की परीक्षा पूरी कराई जा सकेगी। इससे एक ही दिन में करोड़ों उम्मीदवारों और हजारों परीक्षा केंद्रों के प्रबंधन का दबाव कम होगा।

इंडोनेशिया में ‘रोबोट के हमले’ का वीडियो वायरल, 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज के बाद छिड़ी सुरक्षा पर बहस पहली नजर में लगा कि रोबोट ने लोगों पर हमला कर दिया

■ जांच में सामने आया कि यह निष्क्रित डेमोस्ट्रेशन था; विशेषज्ञ बोले- ऐसे प्रदर्शन में सुरक्षा प्रोटोकॉल जरूरी

एजेंसी। नई दिल्ली



सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने की मांग

हाल के महीनों में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सार्वजनिक प्रदर्शनों के दौरान रोबोट से जुड़े कुछ अन्य घटनाक्रम भी सामने आए हैं, जिससे रोबोटिक्स उद्योग में सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने की मांग तेज हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले वीडियो को संदर्भ के साथ देखना जरूरी है, क्योंकि कई बार डेमोस्ट्रेशन या मनोरंजन के उद्देश्य से बनाए गए वीडियो वास्तविक घटना के रूप में पेश कर दिए जाते हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे ह्यूमनॉइड रोबोट का उपयोग उद्योग, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्रों में बढ़ेगा, वैसे-वैसे सुरक्षा प्रोटोकॉल, मानव निगरानी और स्पष्ट संचालन मानकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। इसलिए ऐसी घटनाएं केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सुरक्षित उपयोग की आवश्यकता की भी याद दिलाती हैं।

गई थीं और उनका उद्देश्य उसकी संतुलन क्षमता, फुर्ती और मूवमेंट कंट्रोल का प्रदर्शन करना था। हालांकि वीडियो ने रोबोटिक्स सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही यह प्रदर्शन निर्यंत्रित था, लेकिन तेज गति से चलने वाले ह्यूमनॉइड रोबोट के आसपास पर्याप्त दूरी, बैरियर और प्रशिक्षित ऑपरटर की मौजूदगी अनिवार्य होनी चाहिए। यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाए तो ऐसी मशीनें अनजाने में लोगों को चोट पहुंचा सकती हैं।

फर्स्ट एसी कोच को बनाया गया ‘हनीमून सुइट’, वायरल वीडियो के बाद रेलवे ने शुरू की कार्रवाई



एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे की एक ट्रेन के फर्स्ट एसी कूपे को हनीमून सुइट की तरह सजाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में निजी कूपे को गुलाब के फूलों, रंग-बिरंगे गुब्बारों, मोमबतियों और ‘आई लव यू’ संदेश के साथ होटल के हनीमून रूम जैसी सजावट में दिखाया गया।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे रचनात्मक सरप्राइज बताया, जबकि कई लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति के इस तरह

इस्तेमाल और सुरक्षा नियमों पर सवाल उठाए। मामले की जांच के बाद रेलवे प्रशासन ने इसे नियमों के विपरीत माना और संबंधित टीटीई को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे कोचों में इस तरह की निजी सजावट बिना अनुमति स्वीकार्य नहीं है और सुरक्षा व परिचालन मानकों का पालन अनिवार्य है।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि मामले की पूरी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने यात्रियों के निजी आयोजनों और सार्वजनिक परिवहन में लागू नियमों के बीच संतुलन को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

देशभर की पुलिस के लिए एक जैसी खाकी वर्दी की तैयारी राज्यों की अलग-अलग वर्दियों की जगह एक समान खाकी शेड और डिजाइन का प्रस्ताव; अंतिम फैसला राज्यों से परामर्श के बाद होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में पुलिस की पहचान को एक समान बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ‘वन नेशन-वन यूनिफॉर्म’ पहल पर काम कर रही है। प्रस्ताव के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के लिए एक जैसा खाकी रंग और मानकीकृत डिजाइन अपनाने की तैयारी की जा रही है।

इसके पीछे उद्देश्य पुलिस की एक समान पहचान स्थापित करना और विभिन्न राज्यों में वर्दी से जुड़ी असमानताओं को कम करना है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस प्रस्ताव पर गृह मंत्रालय और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो स्तर पर विचार-विमर्श हुआ है।

योजना के तहत वर्दी का रंग, कपड़े की गुणवत्ता और डिजाइन को मानकीकृत करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि देश के किसी भी

हिस्से में पुलिसकर्मियों की पहचान एक जैसी हो। हालांकि, इसे लागू करने से पहले राज्यों की राय और प्रशासनिक पहलुओं पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि एक समान वर्दी से राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस की पहचान मजबूत होगी और संयुक्त अभियानों तथा अंतरराज्यीय समन्वय में भी सुविधा मिल सकती है। वहीं, कुछ जानकारों का मानना है कि पुलिस राज्य सूची का विषय होने के कारण इस तरह के बदलाव में राज्यों की सहमति और स्थानीय परंपराओं का भी ध्यान रखना आवश्यक होगा।

फिलहाल केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में कोई अंतिम अधिसूचना जारी नहीं की गई है। ऐसे में प्रस्ताव पर आगे की प्रक्रिया राज्यों से परामर्श और आवश्यक प्रशासनिक निर्णयों के बाद ही आगे बढ़ेगी।

परप्लेक्सिटी एआई के सीईओ का दावा: माइक्रोसॉफ्ट ने सॉफ्टवेयर बेचने के लिए बनाई 9-5 ऑफिस संस्कृति अरविंद श्रीनिवास बोले- बिल गेट्स का लक्ष्य हर डेस्क पर कंप्यूटर पहुंचाना था, सोशल मीडिया पर चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी परप्लेक्सिटी एआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद श्रीनिवास का एक बयान इन दिनों तकनीकी जगत और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

उन्होंने दावा किया है कि माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आधुनिक 9 से 5 बजे तक चलने वाली ऑफिस संस्कृति को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाई। उनका कहना है कि कंपनी का उद्देश्य केवल कंप्यूटर बेचना नहीं था, बल्कि हर ऑफिस डेस्क पर कंप्यूटर और ऑफिस सॉफ्टवेयर पहुंचाना एक ऐसा कार्य वातावरण तैयार करना था, जिससे सॉफ्टवेयर का व्यापक उपयोग हो सके।

हाल ही में प्रसारित जो रोगन एक्सपीरिएंस पॉडकास्ट में श्रीनिवास ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने “नॉलेज



वर्कर” यानी कंप्यूटर आधारित कार्यालयी कर्मचारी की अवधारणा को व्यावसायिक रणनीति के तहत मजबूत किया।

कंपनी का लक्ष्य था कि हर डेस्क पर पीसी हो और कर्मचारी दिनभर माइक्रोसॉफ्ट, एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करें। उन्होंने इसकी तुलना स्टीव जॉब्स के विजन से करते हुए कहा कि जॉब्स कंप्यूटिंग को अधिक सहज और उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाना चाहते थे, जबकि

माइक्रोसॉफ्ट का फोकस सॉफ्टवेयर व्यवसाय के विस्तार पर अधिक था। श्रीनिवास के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों ने इसे आधुनिक कॉर्पोरेट संस्कृति का दिलचस्प विश्लेषण बताया, जबकि कई विशेषज्ञों का मानना है कि 9-5 कार्य प्रणाली का विकास केवल किसी एक कंपनी की रणनीति का परिणाम नहीं था। उनके अनुसार, औद्योगिक विकास, कंप्यूटर क्रांति, वैश्विक

माइक्रोसॉफ्ट ने नहीं दी प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि यह टिप्पणी श्रीनिवास की व्यक्तिगत राय है। इस पर माइक्रोसॉफ्ट या बिल गेट्स की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि माइक्रोसॉफ्ट ने व्यक्तिगत कंप्यूटर और ऑफिस सॉफ्टवेयर को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन आधुनिक कार्य संस्कृति का विकास कई सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बदलावों का संयुक्त परिणाम है। ऐसे में इस मुद्दे को एक व्यापक ऐतिहासिक और व्यावसायिक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है।

अर्थव्यवस्था और कार्यालयों के डिजिटलीकरण जैसे कई कारकों ने मिलकर आधुनिक कार्य संस्कृति को आकार दिया।

Good DAY



समर न्यूज़ | लुधियाना

नई सुबह आपके जीवन में नई उम्मीद, ताजगी भरी ऊर्जा और सफलता की राह में बेहतर अवसर लेकर आए। अच्छे विचारों, मजबूत आत्मविश्वास और निरंतर प्रयासों के साथ आगे बढ़ते रहें, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपकी असली ताकत है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपका दिन खुशियों, सुकून, समृद्धि और शुभ पलों से परिपूर्ण रहे।

डॉ. परवाज मठार, एमडी डर्मेटोलॉजी, फेलोशिप लेजर एवं एस्थेटिक्स

पेज 3 एंकर स्टोरी युवाओं के लिए बना प्रेरणा स्रोत, बेंगलुरु में निजी कंपनी में नौकरी छोड़ शुरू किया स्टार्टअप

नौकरी छोड़ी, एक लाख से खड़ा किया 2.5 करोड़ का सालाना कारोबार

■ गांव लौटकर शुरू किया अपना उद्यम, स्थानीय संसाधनों और डिजिटल मार्केटिंग के दम पर बनाई सफल कंपनी

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु की अच्छी नौकरी छोड़कर अपने गांव लौटना और सीमित पूंजी के साथ कारोबार शुरू करना आसान फैसला नहीं था, लेकिन 24 वर्ष की उम्र में एक युवा उद्यमी उज्ज्वल ने जोखिम उठाया, अपने पिता से एक लाख रुपये उधार लिए और उसी पूंजी से स्टार्टअप की नींव रखी।

कुछ वर्षों की मेहनत, लगातार प्रयोग और ग्राहकों की जरूरतों को समझते हुए आज उनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर करीब 2.5 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह सफलता कहानी विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, इंजीनियरिंग की पढ़ाई



पूरी करने के बाद युवा ने बेंगलुरु में निजी कंपनी में नौकरी शुरू की थी।

नौकरी के दौरान ही उन्हें महसूस हुआ कि गांवों में उपलब्ध स्थानीय

उत्पादों और संसाधनों को बेहतर ब्रांडिंग तथा तकनीक के जरिए बड़े बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। इसी सोच के साथ उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला किया और अपने गांव लौट आए।

शुरुआती पूंजी की कमी होने पर पिता ने एक लाख रुपये की आर्थिक मदद की, जिससे कारोबार की शुरुआत हुई।

शुरुआती दौर आसान नहीं रहा। सीमित संसाधन, बाजार में पहचान बनाना, ग्राहकों का भरोसा जीतना और उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौतियां थीं। कई बार बिक्री उम्मीद से कम रही, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाने के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स माध्यमों का उपयोग कर ग्राहकों तक पहुंच बनाई। धीरे-धीरे ऑर्डर बढ़ते गए और कंपनी का दायरा कई राज्यों तक फैल गया।

स्थानीय युवाओं को रोजगार

आज उज्जवल की कंपनी न केवल करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही है, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा रही है। उद्यमी का कहना है कि छोटे शहरों और गांवों में भी बड़े अवसर मौजूद हैं, जरूरत केवल सही योजना, धैर्य और लगातार मेहनत की है। उनका मानना है कि यदि किसी व्यवसाय की मजबूत समस्या-समाधान आधारित सोच हो, तो सीमित पूंजी भी सफलता की राह खोल सकती है। स्टार्टअप विशेषज्ञों का भी कहना है कि हाल के वर्षों में देश में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां युवाओं ने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर उद्यमिता का रास्ता चुना और स्थानीय स्तर पर सफल कारोबार खड़े किए। हालांकि विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि नौकरी छोड़ने से पहले बाजार का अध्ययन, वित्तीय योजना और जोखिम का आकलन करना जरूरी है। यही संतुलित रणनीति किसी भी स्टार्टअप को लंबे समय तक टिकाऊ बना सकती है।

तेज शोर से ‘आत्महत्या’ कर लेता है फिलीपींस टारसियर, वायरल दावों के बीच विशेषज्ञों ने बताई सच्चाई

बेहद संवेदनशील प्राइमेट है टारसियर, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार ‘आत्महत्या’ का दावा प्रमाणित नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर इन दिनों यह दावा तेजी से वायरल हो रहा है कि फिलीपींस टारसियर दुनिया का ऐसा जानवर है जो अधिक शोर या तनाव होने पर आत्महत्या कर लेता है। हालांकि, वन्यजीव विशेषज्ञों और संरक्षण संस्थाओं का कहना है कि यह दावा वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं है।

उपलब्ध शोध के अनुसार, टारसियर अत्यंत संवेदनशील और निशाचर प्राइमेट है, जिस पर तेज आवाज, अत्यधिक रोशनी और मानवीय हस्तक्षेप का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, लेकिन इसके आत्महत्या करने का कोई पुष्ट वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है। टारसियर को बार-बार छूने, प्लेश फोटोग्राफी, तेज शोर और कैद जैसी परिस्थितियों से गंभीर तनाव हो सकता है। कुछ मामलों में तनाव के कारण वह खुद को घायल कर सकता है या उसकी मृत्यु हो सकती है, लेकिन इसे आत्महत्या कहना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं माना जाता। इसी वजह से फिलीपींस में कई अभयारण्यों में पर्यटकों के लिए शोर, प्लेश कैमरा और जानवर को छूने पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं।

वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल दावों की बजाय प्रमाणित वैज्ञानिक जानकारी पर भरोसा करना चाहिए। उनका मानना है कि टारसियर की सबसे बड़ी जरूरत शांत प्राकृतिक आवास और मानवीय हस्तक्षेप से सुरक्षा है।

उद्घाटन अवसर पर वरचुल माध्यम से संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रतिकूल मौसम के कारण वे व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

अपने संबोधन में उन्होंने भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने केवल 500 से अधिक रियासतों का राजनीतिक एकीकरण ही नहीं किया, बल्कि देशवासियों के बीच राष्ट्रीय एकता और विश्वास की भावना को भी मजबूत किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने एक राष्ट्र, एक संविधान और साझा भविष्य की मजबूत आधारशिला रखी, जो आज भी भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सच्ची देशभक्ति केवल नारों या भावनाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक के व्यवहार, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति में भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से आग्रह किया कि वे 'वंदे मातरम्' के प्रेरणादायी संदेश और सरदार पटेल के एकता के संस्लोक को अपने जीवन में अपनाकर समावेशी, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

आरटीओ में ‘एजेंट राज’! रिकॉर्ड रूम तक पहुंच, अफसरों पर सवाल...

राजवीर बक्शी | लुधियाना
समर न्यूज़

पिछले साल विजिलेंस ब्यूरो की कार्रवाई के बाद जिस आरटीओ कार्यालय से एजेंटों का नेटवर्क लगभग खत्म हो गया था, वहां एक बार फिर एजेंटों की सक्रियता बढ़ने के आरोप सामने आए हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार एजेंटों ने काम करने का तरीका बदल दिया है। पहले फाइलें सीधे कर्मचारियों तक पहुंचती थीं, अब केवल आवेदन (एप्लीकेशन) नंबर मोबाइल के जरिए संबंधित कर्मचारियों तक भेजे जाने और उसी आधार पर काम आगे बढ़ने की चर्चा है।

विजिलेंस की कार्रवाई के बाद बदला सिर्फ तरीका; अब आवेदन नंबर से निपट रहे काम, सीसीटीवी कैमरे में बेखौफ घूमते दिखे एजेंट

मोबाइल से हो रहा फाइलों का ‘मैनेजमेंट’, मिलीभगत की आशंका गहराई... कार्यालय में एजेंट-कर्मचारी गठजोड़ पर फिर उठे सवाल

■ कार्रवाई के बाद फिर पुराने हालात

पिछले वर्ष विजिलेंस ब्यूरो ने आरटीओ कार्यालय से जुड़े कई एजेंटों पर कार्रवाई की थी। जांच में सामने आया था कि कुछ एजेंट पैसे लेकर ड्राइविंग लाइसेंस पास करवाने और अन्य कार्य कराने का दावा करते थे। कार्रवाई के बाद कुछ समय तक एजेंटों की गतिविधियां लगभग थम गई थीं, लेकिन अब एक बार फिर एजेंटों की सक्रियता बढ़ने की चर्चाएं हैं। यदि कार्यालय में अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हैं, तो एजेंटों की लगातार मौजूदगी और रिकॉर्ड रूम तक उनकी कथित पहुंच कई सवाल खड़े करती है। लोगों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि स्पष्ट हो सके कि एजेंटों की सक्रियता किसके संरक्षण में चल रही है।

■ सीसीटीवी की निगरानी, फिर भी बेखौफ आवाजाही

एजेंटों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पिछले साल कार्यालय परिसर में सीसीटीवी लगाए थे। इनकी लाइव मॉनिटरिंग अधिकारियों के कमरे से होने का दावा किया जाता है। इसके बावजूद एजेंटों की लगातार मौजूदगी कई सवाल खड़े कर रही है।

■ रिकॉर्ड रूम तक पहुंच ने बढ़ाई चिंता

सूत्रों का दावा है कि एजेंटों को कई बार रिकॉर्ड रूम से दस्तावेज निकलवाते और सरकारी रिकॉर्ड तक पहुंच बनाते देखा गया है। इससे सरकारी रिकॉर्ड की सुरक्षा और गोपनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि बिना अंदरूनी सहयोग के किसी बाहरी व्यक्ति की रिकॉर्ड रूम तक पहुंच संभव नहीं हो सकती।

■ आरटीओ मनकवल सिंह चाहल ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित क्लर्कों से जानकारी ली जाएगी। यदि जांच में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार बनती कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जमीन कब्जाने की साजिश का खुलासा, राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी के आरोप

600 गज अवैध निर्माण पर सवाल... बिंद्रा कॉलोनी की विवादित जमीन पर घमासान, 6 लोग नामजद समेत कई पर पर्चा दर्ज किया

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

बिंद्रा कॉलोनी की विवादित जमीन का मामला अब पुलिस कार्रवाई और नगर निगम की कथित निष्क्रियता के चलते बड़ा विवाद बन गया है। एक तरफ थाना देहाती पुलिस ने 15 कनाल 12 मरले कृषि भूमि पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर कब्जा करने की कोशिश के आरोप में छह नामजद समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं दूसरी ओर उसी विवादित जमीन के करीब 600 गज हिस्से पर हुए अवैध निर्माण को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। शिकायतकर्ता हरिंदरपाल सिंह का आरोप है कि आरोपियों ने आपसी साजिश के तहत राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और गांव काराबारा स्थित खसरा नंबर 42/11, 19-20 (मिन), कुल 15 कनाल 12 मरले जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। आरोप है कि गांव सोरखेवाल के खसरा नंबर 694/352 की जमीन को रिकॉर्ड में दर्शाकर चारदीवारी खड़ी कर कब्जे का प्रयास किया गया।

एफआईआर के बाद भी नहीं टूटी अवैध बिल्डिंग

मामले का दूसरा और अधिक गंभीर पहलू यह है कि विवादित जमीन के करीब 600 गज हिस्से पर कथित तौर पर नगर निगम अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण कर लिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि निगम के वरिष्ठ अधिकारियों-कमिश्नर,

जॉइंट कमिश्नर और एमटीपी शाखा-को पूरे घटनाक्रम की जानकारी होने के बावजूद निर्माण नहीं रुकवाया गया।आरोप है कि पहले मौके पर शटरिंग की गई और बाद में लैंटर डालकर निर्माण पूरा कर दिया गया, लेकिन निगम की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

■ डिमोलिशन नोटिस बना सिर्फ कागज का टुकड़ा

सूत्रों के मुताबिक नगर निगम ने करीब दो सप्ताह पहले अवैध निर्माण को लेकर डिमोलिशन नोटिस जारी किया था, लेकिन नोटिस के बाद भी मौके पर न तो कोई तोड़फोड़ हुई और न ही अवैध निर्माण हटया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि निगम ने सिर्फ औपचारिकता निभाई और कार्रवाई को फाइलों तक सीमित रखा।

अब उठ रहे बड़े सवाल

-जब पुलिस फर्जीवाड़े और कब्जे के प्रयास पर एफआईआर दर्ज कर -सकती है तो नगर निगम अवैध निर्माण क्यों नहीं गिरा रहा ?
-डिमोलिशन नोटिस जारी होने के बाद भी कार्रवाई किसके दबाव में रुकी ?
-क्या अवैध निर्माण को अधिकारियों का संरक्षण मिला ?

ऑपरेशन प्रहार 3.0 : 226 जगह छापे 199 काबू, हेरोइन व हथियार बरामद



अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब पुलिस के विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार 3.0' के तहत शुक्रवार तड़के लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने जिलेभर में एक साथ 226 स्थानों पर छापेमारी कर गैंगस्टरों, नशा तस्करों और संगठित अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सुबह चार बजे शुरू हुए अभियान में 20 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों, 25 एसएचओ और इंस्पेक्टरों के नेतृत्व में करीब 400 पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध ठिकानों पर दबिशा दी। पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान 44 नए आपराधिक मामले दर्ज किए गए और 199 लोगों को गिरफ्तार अथवा हिरासत में लिया गया। इनमें 85 आरोपियों को विभिन्न एफआईआर के तहत गिरफ्तार किया गया, जबकि 114 लोगों को

सतलुज किनारे जियो ट्यूब से हाईटेक धुस्सी बांध बनेगा

लुधियाना| सतलुज नदी से सटे क्षेत्रों को बाढ़ और कटाव से बचाने के लिए लुधियाना में पहली बार करीब एक किलोमीटर लंबा जियो ट्यूब तकनीक आधारित हाईटेक धुस्सी बांध बनाया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के अनुसार यह तटबंध पारंपरिक मिट्टी के बांधों से अधिक मजबूत होगा। हालांकि स्थानीय लोगों ने निर्माण स्थल पर फेंसिंग और चेतवनी बोर्ड नहीं होने पर चिंता जताई है। विभाग का कहना है कि परियोजना तय समय पर पूरी कर सुखा संबंधी कर्मियों को भी जल्द दूर किया जाएगा।

निवारक कार्रवाई के तहत हिरासत में लिया गया। एक घोषित अपराधी (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया। अभियान में 141 ग्राम हेरोइन, 10 ग्राम आइस (मेथामफेटामाइन), 217 नशीली गोलिएं, तीन देसी पिस्तौल, दो जिंगा कारतूस, 11 पेटियां और 33 बोटल अवैध शराब बरामद की गई। इसके अलावा एक एसयूवी, पांच मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन, जुए की 2,027 रुपये की नकदी तथा नशा सेवन में इस्तेमाल होने वाला सामान भी जब्त किया गया।

सीपी स्वपन शर्मा ने कहा कि यह कार्रवाई खुफिया सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और नेटवर्क की जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गैंगस्टरों और नशा तस्करों के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

घर में घुसकर युवक पर हमला, गैंगस्टर को वीडियो कॉल पर वारदात दिखाने का आरोप

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना के ऋषि नगर स्थित छोटी हैबोवाल इलाके में वीरवार देर शाम 7-8 हथियारबंद युवकों ने एक घर में घुसकर राहुल कुमार पर हमला कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावर दातर और रिफॉल्वर से लैस थे। उन्होंने राहुल से मारपीट की, उसका मोबाइल छीन लिया और बंदूक के बल

पर उसका जबरन वीडियो बनाया। आरोप है कि वारदात के दौरान आरोपी जेल में बंद गैंगस्टर मोविश को वीडियो कॉल कर पूरी घटना दिखा रहे थे। बीच-बचाव करने पहुंचे राहुल के पिता बग्गा लाल से भी मारपीट की गई और घर में तोड़फोड़ की गई। गंभीर रूप से घायल राहुल को डीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।



पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ की भव्य संध्या फेरी, गूंजा हरे कृष्ण महामंत्र



अर्शदीप भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज़

इस्कॉन मंदिर सिविल लाइंस, लुधियाना द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य

में दैगोर नगर से भव्य संध्या फेरी निकाली गई। मंदिर अध्यक्ष नरोत्तमानंद दास जी ने बताया कि फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे मार्ग में हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन से वातावरण

भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्री जगन्नाथ जी का स्वागत किया। विशेष रूप से मार्कंडेय दास प्रभुजी पोलैंड से संध्या फेरी एवं रथयात्रा में शामिल होने के लिए लुधियाना पहुंचे।

रथयात्रा रथ की रस्सी खींचना भी होता महान पुण्य का कार्य : अनूप थापर



लक्की भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज़

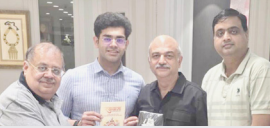
इस्कॉन व भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी की ओर से 16 जुलाई को शाम 4 बजे श्री दुर्गा माता मंदिर, जगराओं पुल से निकाली जाने वाली 30वीं भव्य भगवान जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक संस्थाएं इस महोत्सव में बड़-चढ़कर सहभागिता निभा रही



हैं। परम जगन्नाथ सेवक एवं जेबीएम एनजी रिसोर्सिंस प्रा. लि के मालिक अनूप थापर तथा सौरभ थापर ने निर्मंत्रण पत्र स्वीकार करते हुए कहा कि श्रील प्रभुपाद ने भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को विश्वभर में स्थापित कर लाखों लोगों को प्रभु की भक्ति से जोड़ने का महान कार्य किया। आज रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानवता का संदेश देने वाला वैश्विक उत्सव बन चुकी है। भगवान जगन्नाथ जब स्वयं रथ पर



विराजमान होकर भक्तों के बीच आते हैं तो यह उनकी असीम कृपा, वात्सल्य और भक्तवत्सल स्वरूप का प्रतीक होता है। रथयात्रा में शामिल हो भगवान के दर्शन करना, उसकी रस्सी को स्पर्श करना अथवा रथ को खींचना भी सनातन परंपरा में अत्यंत पुण्यदायी है। ऐसी मान्यता है कि श्रद्धा व भक्ति के साथ रथ की रस्सी खींचने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।



परम जगन्नाथ सेवक एवं रॉयल्टी ज्वेलर्स के मालिक सतीश वर्मा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की सेवा, महाआरती एवं दर्शन का सौभाग्य हर किसी को प्राप्त नहीं होता। वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें भगवान जगन्नाथ जी की महाआरती करने का पावन अवसर प्राप्त हो रहा है। यह सेवा उनके जीवन का अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव होगी तथा वे इसे प्रभु को असीम कृपा मानते हैं।

अवैध कॉलोनी पर ग्लाडा का बुलडोजर प्लॉट खरीदने वालों को दी बड़ी चेतावनी

राहुल शर्मा | लुधियाना
समर न्यूज़

जिले में अवैध कॉलोनिनों के खिलाफ ग्लाडा ने कार्रवाई तेज करते हुए गांव खासी कलां में विकसित की गई एक अनधिकृत कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर अवैध सड़कें, निर्माण और अन्य ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और ग्लाडा की प्रवर्तन टीम की मौजूदगी में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। ग्लाडा अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और मुख्य प्रशासक विकास होरा के निर्देश पर अवैध कॉलोनिनों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। संबंधित

डेवलपर को पहले ही निर्माण कार्य रोकने के लिए नोटिस जारी किया गया था, लेकिन आदेशों की अनदेखी कर निर्माण जारी रखने पर 9 जुलाई को ध्वस्तिकरण की कार्रवाई की गई।

विभाग ने स्पष्ट किया कि अवैध कॉलोनिनों के विकास को शुरुआती स्तर पर ही रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और पंजाब रीजनल एंड टाउन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्लाडा ने लोगों से किसी भी प्लॉट या संपत्ति की खरीद से पहले उसकी वैधता की जांच करने की अपील की है। विभाग ने चेतावनी दी कि अवैध कॉलोनिनों को पानी, सीवेज, बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

ई-रिवक्शा चालकों पर भी होगी कार्रवाई : डीसी

राजवीर बक्शी/लुधियाना/समर न्यूज़| डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने गुरुनानक देव भवन में ई-रिवक्शा रोड सेफ्टी अवेयरनेस एंड एम्प्लोमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आरटीओ मनकवल सिंह चहल भी मौजूद रहे। डीसी ने कहा कि ई-रिवक्शा पर्यावरण अनुकूल और किफायती परिवहन का महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन सड़क सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही। चालकों को नियमों का पालन, ईडिकेटर, हेडलाइट और रिफ्लेक्टिव स्टिकर दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

एसआईआर को लेकर भाजपा की अहम बैठक



लक्की भट्टी/लुधियाना/समर न्यूज़| वार्ड नंबर-8, राहों रोड स्थित बस्ती जोधेवाल में भाजपा की ओर से एसआईआर अभियान को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शिपपुरी ब्लॉक प्रधान अशोक राणा ने की, जबकि भाजपा के जनरल सेक्रेटरी सरदार नरेंद्र सिंह मल्ही मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने बीएलए से अभियान की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राजवीर सिद्धू को वार्ड-8 का ईंचार्ज नियुक्त कर बीएलए को सहयोग एवं मार्गदर्शन की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार पलटी, जिम संचालक समेत दो की मौत

अशवनी पाहवा/लुधियाना/समर न्यूज़| मोहाली के लालडू थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के हुए सड़क हादसे में लुधियाना के बीआरएस नगर निवासी 23 वर्षीय जिम संचालक मनजोत सिंह और कार चालक रवि कुमार की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दिल्ली जा रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर के सामने अचानक आवारा पशु आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में मनजोत के दोस्त आकाश वर्मा को मामूली चोटें आईं, जबकि राजीव कुमार पांडे सुरक्षित बच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परीजनों को सौंप दिए हैं। मामले की जांच जारी है।

फुटपाथों से अतिक्रमण हटाए निगम : हाईकोर्ट



लक्की मेहता/लुधियाना/समर न्यूज़| पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा है कि फुटपाथों और सार्वजनिक मार्गों पर सुरक्षित रूप से चलना सव्थियान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा है। कारवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने लुधियाना नगर निगम को फुटपाथों व सार्वजनिक रास्तों से अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। यह आदेश जसबीर सिंह की जनहित याचिका पर सुनाया गया। अदालत ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना नगर निगम की वैधानिक जिम्मेदारी है। फैसले का कानूनी विशेषज्ञों ने स्वागत किया।

एसआईआर-2026 शिविर आज और कल होगा

राजवीर बक्शी/लुधियाना/समर न्यूज़| मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के तहत जिले के सभी पोलिंग बूथों पर 11 और 12 जुलाई को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। उपयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु जैन ने बताया कि बृथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने, दस्तावेज सत्यापन और डिजिटाइजेशन में सहायता करेंगे। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से समय पर आवश्यक दस्तावेज जमा करने और प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। प्रशासन ने लोगों से अपने परिवार और आसपास के नागरिकों को भी शिविरों की जानकारी देकर अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया।

शोक समाचार

नगर काउंसिल अध्यक्ष के पिता का निधन

मुल्लापुर दाखा| मुल्लापुर दाखा नगर काउंसिल के अध्यक्ष हैप्पी जसविंदर सिंह के पिता बुद्ध सिंह के निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमरदीप सिंह रूबी बल्लोवाल ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पिता परिवार की सबसे बड़ी पूंजी और मार्गदर्शक होते हैं। उनके निधन से परिवार अपूरणीय क्षति झेलता है। उन्होंने हैप्पी जसविंदर सिंह और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। स्वर्गीय बुद्ध सिंह की स्मृति में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग एवं अंतिम अरदास 12 जुलाई को गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद साहिब, मंडी मुल्लापुर में दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक होगी।